हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 मार्च 2025

11 बेसहारा गोवंशों की समस्या बनी गंभीर

12 लोहारहेड़ी में बाबा दुग्धाहारी मंदिर पर लगा मेला

अब अपने मेडिकल और इंजीनियरिंग के सपने करें पूरे

CAREER POINT KOTA
कोटा का 31 साल का अनुभव,
अब आपके शहर झज्जर में !
999-6262-381
999-6262-382
Near ICICI Bank, Bank Lane
Rohtak Road, Jhajjar-124103

2025-2026
ADMISSION OPEN
8th-12th & 12th PASS OUT
NEET NTSE
IIT-JEE Olympiad
Follow Us on Insta

खबर संक्षेप

तीन लोगों पर मारपीट का लगाया आरोप

झज्जर। गांव खातीवास निवासी एक किसान ने जब अपना पानी का खाल वापिस मांगा तो आरोपियों ने न केवल खाल देने से मना किया बल्कि उसके साथ मारपीट भी की। पुलिस को दी शिकायत में प्रदीप ने बताया कि उसके खेत के पड़ोसी अभिमन्यु ने पिछले बीस दिनों से पानी का खाल ले रखा था। जब उसने अभिमन्यु ने अपना खाल मांगा तो उसने खाल देने से मना करते हुए अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। प्रदीप के अनुसार इस मारपीट के दौरान उसका जबड़ा भी टूट गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्कार्पियो गाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति घायल

बहादुरगढ़। गांव छारा में तेज रफ्तारी स्कार्पियो गाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल की पहचान दिलावर के रूप में हुई है। छारा का रहने वाला है। दिलावर का कहना है कि देर शाम को वह एक दुकान से सामान लेकर घर जा रहा था। इस दौरान तेज गति में एक स्कार्पियो गाड़ी आई और मुझे टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आरोपी फरार हो गया। परिजनों ने मुझको संभाला और अस्पताल लेकर गए। इस दौरान पता चला कि स्कार्पियो चालक ने एक और शख्स को भी टक्कर मारी है। उधर, मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परनाला में स्थित मकान से ऑटो व सिलेंडर चोरी

बहादुरगढ़। गांव परनाला में स्थित एक मकान में चोरी हो गई। पीड़ित की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। विनोद का कहना है कि वह मूलतः भैंसवाल कलां से है। फिलहाल परनाला में किराये पर रहता है। गत 15 मार्च को मेरी ऑटो व तीन सिलेंडर पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति चुराकर ले गया है। अपने स्तर पर जांच की और आरोपी को तलाश किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने विनोद की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

दंगल देखकर लौट रहे युवक के साथ मारपीट

झज्जर। क्षेत्र के गांव बिरोहड़ में कुश्ती दंगल देखकर घर लौट रहे एक युवक के मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में रोहित ने बताया कि जब वह बीती चौदह मार्च की शाम करीब चार-पांच बजे कुश्ती देख कर वापिस घर आ रहा था घर के नजदीक प्रवीन व उसके तीन अन्य साथियों ने रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। उन्होंने लोहे की रॉड से उसके सिर व हाथ पर वार किया। इसके बाद उनके अन्य परिजन भी आ गए तथा उनके द्वारा भी उसे चोट पहुंचाई गई। रोहित के अनुसार इसके उपरांत डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। बाद में उसके परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए सीएचसी जमालपुर ले जाया गया । जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में रोहित ने प्रवीन के अलावा सात अन्य लोगों को नामजद किया है।

आज चौगान माता व चाक पर चढ़ाया जाएगा गुड़ से बने चावलों का प्रसाद

बासौड़ा पर्व के पहले दिन माता शीतला व बगुलामुखी को महिला श्रद्धालुओं ने लगाया गुड़-चने का भोग

अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार जहां अधिकांश महिलाओं ने मां को गुड़-चने का प्रसाद चढ़ाया वहीं कई जगहों पर पूर्व रात्रि में गुड़ से बनाए गए चावल, दही, हल्दी, आटा व जल चढ़ा कर परिवार की सुख-समृद्धि की मन्नत मांगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को सौभाग्यवती महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में मां शीतला की पूजा अर्चना की। इसी पूजा के साथ चार दिवसीय बासौड़ा पर्व की शुरआत हो गई है। अलसुबह ही सौभाग्यवती महिलाएं लाल चुनरी व पीलिया ओढ़ कर अपने बच्चों के साथ चौगान माता व शीतला माता की पूजा करती नजर आई। अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार जहां अधिकांश महिलाओं ने मां को गुड़-चने का प्रसाद चढ़ाया वहीं कई जगहों पर पूर्व रात्रि में गुड़ से बनाए गए चावल, दही, हल्दी, आटा व जल चढ़ा कर परिवार की सुख-समृद्धि की मन्नत मांगी। पूजा का यह सिलसिला सुबह से शुरू होकर शाम तक चलता रहा। बताते हैं कि शीतला मां की पूजा के साथ ही बासौड़ा पर्व आरंभ हो जाता है। स्थानीय सुनारों वाली मंदिर एवं धर्मशाला परिसर में पूजा-अर्चना करने वाली महिला श्रद्धालु शंकुतला, कांता देवी, कौशल्या, फूलवती, मीना देवी, रेखा देवी आदि ने बताया कि इस दिन मुख्य रूप से माता शीतला की पूजा की जाती है। उन्होंने यहां मंदिर के बाहर विराजमान बगुलामुखी मां की भी पूजा-अर्चना की है। अब रविवार की रात्रि गुड़ से बनाए गए चावल के प्रसाद से सोमवार की अलसुबह चौगान माता व कुम्हारों के घरों में मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले चाक की पूजा की जाएगी। उसके उपरांत मंगलवार को फिर से गुड़-चावल का प्रसाद बनाया जाएगा जो दही के साथ माता गेट स्थित बुद्धोमाता मंदिर में अर्पित किया जाएगा।

झज्जर। पारंपरिक परिधानों में सुनारों वाले मंदिर में बगुलामुखी माता की पूजा-अर्चना करती महिलाएं।

बुद्धोमाता को लगाया जाता है बासी पकवानों का भोग

बासौड़ा पर्व के दौरान चौगान माता, बुद्धोमाता आदि के समक्ष बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है। इस पर्व को लेकर मान्यता है कि बासी पकवानों का भोग लगने के बाद से ही रात का बासी खाना दूसरे दिन की शाम तक खराब होना शुरू हो जाता है। इससे पहले के दिनों में एक दिन पूर्व बनाया गया खाना दूसरे दिन की शाम तक भी खराब नहीं हो पाता है। बेशक वैज्ञानिक कारणों में सर्दी के मौसम के बाद गर्मी की शुरुआत होने के कारण बासी खाना खराब होना शुरू होता हो लेकिन आस्था यही है कि बासौड़ा पर्व के बाद से ही ऐसा होने की शुरुआत होती है।

संक्रामक रोगों से मिलती है मुक्ति

हिंदू धर्म में शीतला अष्टमी का एक विशेष स्थान है। शीतला माता को संक्रामक रोगों से मुक्ति दिलाने वाली माता के रूप में मान्यता है। कहते हैं कि शीतला मां की पूजा करने से जहां रोग व बीमारियों से मुक्ति मिलती है वहीं जीवन में भी सुख शांति बनी रहती है। नकारात्मक विचारों से मुक्ति पाने के लिए शीतला मां की पूजा के बाद नीम के पेड़ में जल चढ़ाने व परिक्रमा करने की बात भी प्रचलन में है।

युवक की ईंट मारकर हत्या हत्यारोपी दोस्त गिरफ्तार

बहादुरगढ़। बादली थाना क्षेत्र के गांव लोहट में दो दोस्तों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े में एक युवक ने अपने दोस्त पर ईंट से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अदालत में पेश कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वारदात दूल्हेंडी की शाम को हुई थी। दरअसल, लोहट के निवासी हितेश ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसका भाई अमित गांव के निवासी जितेंद्र के साथ गया था। शाम करीब सात बजे घर पर आया। इसके बाद फिर से जितेंद्र उसे बुला ले गया। गांव के मंदिर के पास दोनों में झगड़ा हो गया। आरोपी ने अमित पर ईंट से हमला कर बुरी तरह से उसे घायल कर दिया। हम उसे अस्पताल में ले गए तो उसने दम तोड़ दिया। इस शिकायत पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। बादली थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि लोहट गांव के निवासी एक युवक पर ईंट से हमला किया था। उसकी मौत हो गई थी। मामले में आरोपी जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है।

साथी कर्मचारी को सरिया मारकर घायल किया

बहादुरगढ़। गांव खैरपुर में स्थित एक फैक्ट्री में दो श्रमिकों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े में एक ने दूसरे मजदूर के सिर पर लोहे के सरिये से वार किए। घायल को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक है। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात धर्मेंद्र के साथ हुई है। धर्मेंद्र यूपी के मिर्जापुर का रहने वाला है। वह खैरपुर में स्थित एक कंपनी में मजदूरी करता है। शुक्रवार को धर्मेंद्र और कंपनी में काम करने वाले नीरज का झगड़ा हो गया। तैश में आकर नीरज ने धर्मेंद्र के सिर में लोहे की रॉड मार दी। रॉड लगते ही धर्मेंद्र बेसुध होकर गिर गया। साथी कर्मचारियों ने उसको संभाला और दिल्ली के एक अस्पताल में लेकर गए। परिजनों के बयान पर पुलिस ने आरोपी नीरज के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अज्ञात कारणों से व्यक्ति ने फंदा लगाकर दी जान

- पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव भागलपुरी में अज्ञात कारणों के कारण एक व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को पता चलने पर सूचना पुलिस को दी गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान करीब 42 वर्षीय विशाल पुत्र संतोष के तौर पर की गई है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्यवाई करते हुए पुलिसकर्मी तथा मृतक विशाल का फाईल फोटो। फोटो: हरिभूमि

जानकारी के अनुसार विशाल विवाहित था और उसके दो लड़के है। मामले के जांच अधिकारी एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि मृतक के पिता के बयान पर इत्तेफाकिया कार्यवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है।

बाबा प्रसादगिरी मंदिर के वार्षिकोत्सव में साधु संतों को परोसे जा रहे स्वादिष्ट व्यंजन

- कचौड़ी, ब्रेड पकौड़े, फ्रूट चाट, आइसक्रीम और दूध जलेबी की जा रही वितरित
- विभिन्न धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी वार्षिकोत्सव में पहुंच कर दे रहे सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर के वार्षिकोत्सव में पहुंचने वाले सांधु समाज के लोगों के लिए जहां आयोजक कमेटी द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई वहीं विभिन्न सामाजिक संगठनों व श्रद्धालुओं द्वारा भी अपनी श्रद्धा एवं सामर्थ्य अनुसार विभिन्न व्यंजन परोसे जा रहे है। रविवार को साधु भोज के दौरान परोसे गए विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों में कचौड़ी, आइसक्रीम, दही भल्ले, फ्रूट चाट सहित दूध जलेबी वितरित किए गए। चाय व दूध भी दिनभर चलता रहा। श्रद्धालु गुलशन पंडित ने बताया कि उनकी बस यात्री सेवा समिति द्वारा विभिन्न धार्मिक आयोजनों पर प्रसाद वितरित किया जाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं व दूर-दराज से पहुंचे साधु समाज के लोगों में फ्रूट चाट का वितरण कर रहे हैं।

समिति सदस्या मीना ने बताया कि उनकी समिति में करीब सत्तर कार्यकर्ता हैं जो विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में पहुंच कर सेवा देते हैं। यहां उनका दूसरा आयोजन है। वीना रानी व सुनीता ने बताया कि वे अपने सामर्थ्य अनुसार अपने स्तर पर चंदा एकत्रित करके इस प्रकार की सेवाएं देते हैं। निष्काम सेवा समिति सदस्य भोला राम ने बताया कि वे भी अपने दोस्त सुखबीर के साथ प्रतिवर्ष आकर यहां पांच दिन की सेवाएं देते हैं। मित्रमंडल के सदस्य डॉक्टर सुभाष ने बताया कि वे अपने मंडल की ओर से चाय एवं कचौरी का प्रसाद बांट रहे हैं।

झज्जर। दूध जलेबी का प्रसाद वितरित करते हुए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

गाड़ी का टायर बदल रहे दो लोगों को तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर

झज्जर। क्षेत्र के गांव माछरौली के नजदीक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर खड़ी एक टाटा गाड़ी को टक्कर मारकर टायर बदलने के कार्य में जुटे दो लोगों को घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में जिले के गांव लडरावन निवासी राजेंद्र ने बताया कि बिट बुरादा का काम करता है। जब वह शनिवार को अपनी टाटा 407 गाड़ी में बिट बुरादा भरकर रेवाड़ी से सांपला जा रहा था दोपहर करीब बारह बजे माछरौली के नजदीक उसकी गाड़ी का टायर फट गया। उसके बाद उसने गाड़ी में साथ जा रहे अपने साथी समीर उर्फ काला व तिलकराम की सहायता से गाड़ी के आगे व पीछे ईंट-पत्थर व पेड़ की टहनी डालकर खराब होने का संकेत बनाया। इसके बाद जहां वह अपने साथी तिलकराम के साथ टायर बदलने के कार्य में जुटा वहीं समीर आते-जाते वाहनों को सचेत करने लगा। इसी दौरान रेवाड़ी की ओर से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसके कारण वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गाड़ी में मिला युवक का शव, पुलिस कर रही मामले की जांच

झज्जर। रविवार देर सांय बेरी कलानौर मार्ग पर बाकरा मोड के नजदीक खड़ी एक गाड़ी में एक युवक का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान प्रदीप पुत्र पालेराम निवासी मोरखी जिला जींद के तौर पर की गई है। जानकारी अनुसार प्रदीप गांव दादरी तोए स्थित निजी कंपनी में कार्य करता था और शहर में एक किराए के मकान में रहता था। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। हालांकि प्रारंभिक दृष्टि में शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले है, फिर भी पुलिस विभिन्न पहलुओं को देखते हुए मामले की जांच कर रही है।

ट्रक की टक्कर से बिजली के पोल और तार टूटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रोहद में एक अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से बिजली के पोल टूट गए। इस वजह से बिजली निगम को काफी हानि हुई। बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। अधिकारियों की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

रोहद में कान्हा पंप के नजदीक रात करीब साढ़े दस बजे यह घटनाक्रम हुआ। ट्रक की टक्कर से पोल गिर गए और बिजली की तारें लटक गई। नजदीक स्थित पंप के कर्मचारी रोहद सब स्टेशन में यह जानकारी देने पहुंचे और स्टाफ को बताया कि तारें लटके होने के कारण आवागमन बाधित हो गया है। इसके बाद बिजली कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य शुरू किया। एएफएम प्रमोद का कहना है कि मौके पर गए तो पोल टूटे थे और केबल नीचे पड़ी थी। सप्लाई बंद कराकर मरम्मत कार्य शुरू कराया। पोल को टक्कर मारने वाला ट्रक भी वहीं था।

आरोपी चालक का नाम हरकरण है। निगम को करीब एक लाख रुपये की हानि हुई है। उधर, सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शिकायत के आधार पर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चालक मनमानी से बाज नहीं आए तो होगी कड़ी कार्रवाई

थ्रीव्हीलर चालकों और ई-रिक्शा चालकों को दी नसीहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सड़कों पर बेलगाम दौड़ रहे थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा चालकों को एसीपी ट्रेफिक दिनेश कुमार ने नसीहत देते हुए सुधार के लिए चेतावनी दी है। पुराना लघु सचिवालय में थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा चालकों की बैठक में कड़ी चेतावनी दी गई कि चालक मनमानी से बाज आएं अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस द्वारा लगातार लोगों को सड़क पर यहां-वहां वाहनों को खड़ा नहीं करने की अपील की जा रही है। जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए एसीपी दिनेश कुमार खुद सड़क पर उतर रहे हैं। उन्होंने थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा चालकों की जमकर क्लास लगाई। एसीपी ने थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा चालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सड़क पर ई-रिक्शा खड़ी किए पकड़े गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ई-रिक्शा चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। एसीपी ने कहा कि थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा पहली लेन में नजर नहीं आने चाहिएं।

साउंड सिस्टम बजता मिला तो उनका वाहन जब्त कर लिया जाएगा। इसके अलावा सड़कों के मुहाने पर थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा खड़ी नजर नहीं आनी चाहिए। एसीपी दिनेश कुमार के अनुसार अधिकांश थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा नियमों पर खरे नहीं उतरते। शिकायत मिलती है कि चालक बीच सड़क पर थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा खड़ा कर यातायात व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। चालकों के पास लाइसेंस व कागजात भी पूरे नहीं है। उन्होंने कहा कि सबके रूट होंगे तो यातयात व्यवस्था सुचारु रह सकेगी।

बहादुरगढ़। थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा चालकों को समझाते एसीपी दिनेश कुमार। फोटो: हरिभूमि

साहित्य

बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ हैं? इस चराचर जगत में जो कोई भी वस्तु है वह गणित के बिना नहीं है / उसको गणित के बिना समझा नहीं जा सकता।

- श्रीनिवास रामानुजन

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी।

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

अहंकार

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही।

दिव्या ने ससुराल का घर छोड़ा और किराए पर टू-रूम सैट लेकर रहने लगी। दोनों बच्चे और पति मजबूर हुए और उसके साथ रहने को चले आए। पति का नाम शैलेंद्र था। उसने सोचा-'दिव्या की जिद अलग रहने की है तो यही ठीक, घर का क्लेश तो मिटेगा?' उसे पत्नी के साथ रहना पड़ा। दोनों बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ने लगे। फीस का जिम्मा शैलेंद्र पर था।

दिन बीतने लगे लेकिन दिव्या का अहंकार खत्म नहीं हुआ। शैलेंद्र अपने माता-पिता से मिलने चला जाए तो क्लेश, बच्चों को दादा-दादी के पास ले जाए तो कलह। उसने दिव्या को बहुत समझाया लेकिन वह नहीं बदली।

शैलेंद्र दो बहनों का इकलौता भाई था। दोनों बहनें शादीशुदा थीं और अपनी ससुराल में उन्हें कोई कष्ट भी नहीं था। लेकिन बूढ़े और परेशान माँ-बाप की फिक्र में घुली जा रही थी। भाई-भाभी को समझाने के अनेक प्रयास हुए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक रोज, शैलेंद्र माता-पिता से मिलने गया तो रात पत्नी के पास वापस नहीं पहुँचा। अगले दिन, सुकून की तलाश में वह कहीं और चला गया। पत्नी की तरफ से उसका मन खिन्न हो चुका था। पति घर नहीं लौटा तो दिव्या को चिंता हुई। पन्द्रह-बीस दिन बीत गए शैलेंद्र नहीं आया।

बच्चों के स्कूल से क्लास टीचर ने फीस का पुर्जा बनाकर बड़े लड़के की कॉपी में रख दिया। दिव्या ने पुर्जा देखा तो पैसों की चिंता हुई। पति को फोन मिलाया, फोन स्विच ऑफ था। ऐसे कई दिनों तक वह फोन मिलाती रही लेकिन पति से कोई बात नहीं हुई। शैलेंद्र ने फोन उठाया ही नहीं। थक-हारकर दिव्या ने सास को फोन मिला दिया। सास ने 'हैलो' कहा तो दिव्या के चुभन से भरे तीखे बोल सुनाई पड़े- 'कहां है वह, पन्द्रह-बीस दिन से कुछ अता-पता नहीं है। बच्चों की फीस और मकान का रैंट देना है, क्या करूँ?'

सास बोली- 'घर आकर पैसे ले जा, उसका तो हमें भी पता नहीं। तुम लोग जब से घर छोड़कर गए हो, हमें किसी की कुछ खबर नहीं है। नहीं जानते कि तुम कैसे हो और कहाँ रह रहे हो? यही तो कलह है कि तुम आपसी तकरार खत्म करना क्यों नहीं चाहते? तुम उसकी गलती निकालती हो और वह तुम्हारी! सामान बाँधों और बच्चों को लेकर घर लौट आओ। उसका जब मन चाहेगा तो लौटकर आ जाएगा।'

'नहीं, एक बार जिस घर को छोड़कर चली आई, अब वहाँ मुझे नहीं आना।' दिव्या का अहम जाग उठा था। सास समझाने लगी- 'पति से बनाकर रखने में ही भलाई है। तुम्हें सास-ससुर में कमी दिखती है तो पति के अनुसार ही ढल जाओ! उसकी हो-कर ही रहने लगो? घर से दूसरे नगर इसीलिए गए थे कि चैन से रहोगे। अब पति से भी नहीं बन रही तो हमारा इसमें कहाँ दोष है।'

'दोष तो तुम सबों में है। मेरे कहे अनुसार चलोगे तो ठीक, नहीं तो तुम्हें भी चैन से रहने नहीं दूँगी। मैं नहीं चाहती कि तुम्हारे बेटे के साथ रहूँ लेकिन मेरी मजबूरी है। बच्चों को लेकर जाऊँ कहाँ, और बच्चों को मुझसे छीनने की सोचना भी मत। चाहे कैसे भी, मुझमें हिम्मत है। उन्हें किसी तरह पाल ही लूँगी। जिन के पिता मर जाते हैं, बच्चे तो उनके भी पलते हैं।'

'बड़ों से बात करने का सलीका समझ लो, ओछी सोच घर बिगाड़ देती है। मानती हूँ, मेरा जाया भी बददिमाग है। उसे भी आगे के बारे में कुछ नहीं सूझ रहा लेकिन कम तुम भी नहीं हो ! तुम पर जब क्रोध हावी होता है, तुम चुडैल दिखाई देती हो। और गालियाँ बकती हो तो असहनीय हो जाता है। अभी वक्त है, सुधर जाओ। अपना घर खराब मत करो। अहंकार का त्याग कर डालो और गृहस्थ बनकर जीना सीख लो?'

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी। ऐसा पति जो मेरी ना सुने, मुझे नहीं चाहिए।'

शैलेंद्र सरकारी स्कूल में टीचर थे। कुछ दिन बीते कि एक रोज दिव्या शैलेंद्र के स्कूल पहुँच गई। इत्तफाक कि उस दिन शैलेंद्र स्कूल नहीं आया था। उसकी जुबान खुल गई। प्रिंसिपल, स्टाफ के टीचर्स और एक-आध बाहरी लोगों के सामने वह खूब दहाड़ी। झूठे-सच्चे आरोप लगाकर उसने पति की इज्जत को तार-तार कर दिया। लोग हैरान थे, उन्होंने तो सोचा भी नहीं था कि शैलेंद्र की पत्नी इतनी झगड़ालू और बदतमीज है। हालात में बजाए सुधार होने के और खराबी आ गई।

प्रिंसिपल से दिव्या ने कहा- 'शैलेंद्र की तनख्वाह मेरे बच्चों के स्कूली बैंक खातों में ट्राँसफर कर दिया करें।'

प्रिंसिपल बोले- 'यह मेरे बस में नहीं, तनख्वाह तो शैलेंद्र के बैंक खाते में ही जाएगी।' दिव्या दहाड़ी- 'लफंगा है वह। पूरे महीने की तनख्वाह को आवारागर्दी में खर्च कर डालता है।' शैलेंद्र की पत्नी के मुख से यह सब कहने का किसी को यकीन नहीं हुआ। फिर बोलने के लहजे पर आश्चर्यचकित भी सभी थे। प्रिंसिपल ने दो टूक कह दिया- 'आप कुछ भी कहें, शैलेंद्र की तनख्वाह तुम्हें नहीं दी जा सकती। तुम्हारा आपसी मनमुटाव क्या है, हमें उससे कोई मतलब नहीं।'

'कोर्ट अगर कहे, तब भी नहीं?' दिव्या बोली। 'कोर्ट का निर्देश तो मान्य होगा। वहाँ से अगर आदेश हुआ, तो देखेंगे। आगे क्या होना है, क्या नहीं, यह तो समय ही तय करेगा?' प्रिंसिपल ने स्पष्ट कर दिया। उसका अहंकार बाहर आया- 'मेरे पिता पुलिस में अफसर हैं। झूठे-सच्चे दोष मढ़कर मैं उसके पूरे परिवार को कुटवा दूँगी। तब तो, तनख्वाह मेरे बच्चों के खाते में आएगी न?'

'नहीं, पुलिस के कहने से नहीं। कोर्ट अगर आदेश करे तो मुमकिन है। पुलिस के लिखे को हम नहीं मानेंगे। आपको इसके बारे में ज्ञान नहीं है। यह सरकारी महकमा है, यहाँ सब काम नियम के हिसाब से होते हैं।' प्रिंसिपल बोले।

'मैं पहले पुलिस में रिपोर्ट करती हूँ, फिर देखा जाएगा कि आप क्या मानेंगे और क्या नहीं। अब मुझे उसके साथ नहीं रहना है। हाँ, बच्चे पैदा किए हैं, मुझसे शादी की है, तो उसे खर्चा तो देना ही पड़ेगा?'

एक बुजुर्ग टीचर कहने लगे- 'शैलेंद्र से नहीं बनती तो अलग हो जाओ, तलाक ले लो। बच्चों को खुद पाल सकते हो तो ठीक, नहीं तो कस्टडी पिता पर छोड़ो।'

'ज्ञान मत बाँटो, मुझे जो करना है, वही मैं करूँगी। और शैलेंद्र आए तो उसे कह भी देना- 'आखिरी छोर तक पीछा नहीं छोड़ने वाली। तेरे माँ-बाप, तेरी बहनें और रिश्तेदारों तक को फँसाकर रहूँगी।' और दहाड़ती हुई वह चली गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही। झगड़े हुए, फसाद बढ़े, कोर्ट-कचहरी भी हुआ लेकिन फैसला सहज नहीं हो सका, पूरे दस साल बीत गए।

एक दिन, गर्मी की दोपहर थी। मोटर-साइकिल पर शैलेंद्र स्कूल से घर लौट रहा था। मंथन में विगत प्रभावी था। अकस्मात हृदय की गति बढ़ी और मोटर-साइकिल समेत वह खाई में जा गिरा। सांसों की ड़ोर छूट गई। अंत समय, ना माँ-बाप पास में थे, ना बहनें, ना पत्नी, ना हीं बच्चे और ना कोई नाते-रिश्तेदार! जिस गाँव में रहते थे। वहीं पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दिव्या को पता चला तो एक बारगी वह काँप गई। लेकिन अहम पुनः आड़े आन खड़ा हुआ। फिर जाने अचानक क्या हुआ कि वह हँसती चली गई। उसे खुद का होश नहीं रहा। दिन बीते तो दिव्या भूल गई कि कहाँ उसका घर है, कहाँ बसेरा है। कुछ समय तक तो बच्चे उसे ढूँढकर घर लाते रहे लेकिन बाद के दिनों में, उन्होंने भी उसे उसी के हाल पर छोड़ दिया।

दिव्या जब अट्हास करती है, दिशाएँ गूँजने लगती हैं लेकिन अब, कोई सुनने वाला पास में नहीं है। ना उसके पिता को कुछ फर्क पड़ा और ना ही माँ को। कभी वह रो देती है और कभी सिसकती है।

उस सिसकन में, उसका विगत उसे मुँह चिढ़ाता है। राह चलते लोग उसकी तरफ से मुँह फेर लेते हैं।

कविता | नरेश शांडिल्य

चांद पर तितली

कैसी प्यारी लग रही है चाँद पर तितली
इक परी-सी लग रही है चाँद पर तितली

आसमानी-सी ग़ज़ल में चाँद ऊला-सा
उसका सानी लग रही है चाँद पर तितली

चाँद के सँग चाँदनी के शुभ-शगुन जैसी
'फेंग्शुई'-सी लग रही है चाँद पर तितली

तीरगी का गहरा सागर, चाँद कश्ती-सा
उसका माँझी लग रही है चाँद पर तितली

देखकर अनगिन सितारे अपने चारों ओर
खोई-खोई लग रही है चाँद पर तितली

कविता | वीरेंद्र मधुर

ये भारत की शान है प्यारे

ये भारत की शान है प्यारे इसके रंग सुहाने,
सत्य सनातन की गाथा को विश्व लगा दोहराने।

ये भगीरथ के जप तप का पावन गंगा तट है,
ये अमृत की बूंदों वाली महादेव की लट है।
भक्ति में शक्ति पाने को गंगा चलो नहाने।

वर्षों की घनघोर प्रतिक्षा संतों ने की चिंता,
धर्म बचाने की कोशिश में पाई भिक्षा दीक्षा।
भारत की स्वर्णिम राहों पर गाओ नए तराने।

दिव्य देव दर्शन में उमड़े सत्य सनातन लोग,
मधुर मौसमी चली हवाएं बना ग्रह संयोग।
राम कृष्ण की धरती पर नए बसंत को जाने।।

कविता | प्रो . प्रविंद्र बांगड़

कोई अनबन नहीं है

कोई अनबन नहीं है हम में, बस अब मन नहीं है।

न कोई शिकवा, न कोई गिला, बस मन का हाल बदला मिला।
न दूरियाँ बढ़ीं, न नजदीकियाँ हुई कम, बस एहसास हो गए हैं कुछ मद्धम।

एक दिल था जो हँसता बहुत था, वो भी अब कहीं खो गया।
जो प्यार था कभी हमारा, वो भी अब हमसे कहीं खो गया।

तुमसे कोई शिकायत नहीं, न ही कोई अधूरी चाहत रही।
मैं खुद को ही समझ रहा हूँ, ख़ामोशी से कुछ ढूंढ रहा हूँ।

रिश्तों को अब जबरन थामना नहीं,जो बह जाए, उसे रोकना नहीं।
भावनाएँ वैसी ही हैं बदलती नहीं, पर राहें भी तो पहले जैसी नहीं।

अब न कोई उलझन, न कोई भार, अब बस मन उलझा और लाचार।
जो बीत गया, वो सपना सही, अब खुद को पाने की यात्रा सही।

बस अब खुद को पहचानना है , अब खुद से सब सुलझाना है।

लघु कथा | कुसुम

एक अनमोल रिश्ता

छोटे से गाँव की एक लड़की थी, जिसे शिक्षक शब्द से बेहद लगाव था। उसे पढ़ाई का शौक था, मगर संसाधनों की कमी और हालातों के चलते मुश्किल से बी.ए. में दाखिला मिल पाया। पहले साल तो वह कॉलेज जाती रही, मगर फिर कोरोना महामारी ने सब कुछ ठहर सा दिया। महीनों तक ऑनलाइन क्लास चलीं, लेकिन जब हालात सामान्य हुए, तो कॉलेज फिर से खुल गए। कॉलेज का पहला ही दिन था जब उसे पता चला कि इंग्लिश की एक नई मैम ने जॉइन किया है। पहले पीरियड में वही क्लास लेने आईं। गाँव से आई लड़की की अंग्रेज़ी थोड़ी कमजोर थी, मगर समझने की कोशिश करती थी। पहली ही क्लास में जब मैम ने धाराप्रवाह अंग्रेज़ी में पढ़ाना शुरू किया, तो उसे लगा कि यह विषय उसके लिए कठिन होने वाला है। घबराहट में वह हेड टीचर के पास भी चली गई कि उसके लिए किसी और शिक्षक को लगा दिया जाए। मगर एक ही दिन में ऐसा संभव नहीं था, और क्लास जारी रही। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, लड़की को इंग्लिश मैम की क्लास में मज़ा आने लगा। उनके पढ़ाने का तरीका अलग था-सरल, रोचक और प्रेरणादायक। धीरे-धीरे लड़की को अहसास हुआ कि यह विषय मुश्किल नहीं, बल्कि बेहद सुंदर और समझने योग्य है। मैम सिर्फ़ एक शिक्षिका नहीं रहीं, बल्कि उसकी सबसे पसंदीदा टीचर बन गईं। अब वह बेसब्री से उनके पीरियड का इंतजार करने लगी।

ऐसा लगता मानो समय ठहर जाए और वह बस सुनती ही रहे। समय अपनी रफ़्तार से बढ़ता रहा, और देखते ही देखते बी.ए. का आखिरी सेमेस्टर भी आ गया। पूरे कॉलेज में फेयरवेल पार्टी की तैयारियाँ चल रही थीं। मगर इस खुशी के माहौल में लड़की के दिल में अजीब सी उदासी थी। आख़िरी दिन जब मैम क्लास में आईं, तो पूरी कक्षा भावुक हो गई। किसी की आँखों में खुशी थी, तो किसी की आँखों में आँसू। मैम ने सबको ढेरों शुभकामनाएँ दीं। वह दिन बीत गया, मगर रिश्ते नहीं। लड़की और उसकी पसंदीदा टीचर के बीच का संबंध समय के साथ और भी गहरा होता गया। अब हर सुबह एक मैसेज दोनों तरफ़ से आता-'गुड मॉर्निंग, मैम!' गुड मॉर्निंग बच्चे' यह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का प्रतीक थे, जो एक शिक्षक और शिष्य के बीच होता है। क्योंकि कुछ रिश्ते किताबों के पन्नों की तरह होते हैं, जो भले ही बंद हो जाएँ, मगर उनकी यादें हमेशा दिल में बसी रहती हैं...।

आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर डा. संतोष गर्ग का कहना है कि वर्तमान में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी है। हालांकि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। बदलते परिवेश में साहित्य के स्वरूप को भी बदलना जरूरी है। मसलन युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति आकर्षित करने के लिए लंबी रचनाओं के बजाए लघु और उनके अर्थ को समझने वाली सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए।

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

समाज सेवा के भाव से साहित्य संवर्धन आवश्यक : संतोष गर्ग

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता के हित में साहित्य को अहम माना गया है। मूर्धन्य विद्वान भी साहित्य की समाज का दर्पण के रूप में व्याख्या करते रहे हैं। ऐसी ही एक प्रख्यात कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार और कहानीकार के रूप में डा. संतोष गर्ग ने अपनी लेखनी से हिंदी साहित्य को एक नया आयाम देकर साहित्य जगत में लोकप्रियता हासिल की है। उनकी साहित्यिक रचनाओं में नारी सशक्तिकरण, आध्यात्म, समाज सुधार और बाल साहित्य जैसे विषयों का समावेश शामिल है। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी और अंग्रेज़ी भाषाओं की ज्ञाता संतोष गर्ग ने सामाजिक क्षेत्र में अपनी सक्रीयता से समाज को एक सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

साहित्य और समाज में अपने ऐतिहासिक रूप से योगदान दे रही महिला साहित्यकार डा. संतोष गर्ग ने अपने साहित्यिक और सामाजिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे पहुलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मानना है कि साहित्य संवर्धन समाज सेवा के भाव से हो तो उसका संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने के लिए ज्यादा महत्व है। डा. संतोष गर्ग जन्म 12 नवंबर 1960 को पंजाब के बुढ़लाड़ा के एक संयुक्त परिवार में रूलदू राम सिंगला और देवकी देवी के घर में हुआ। परिवार में किसी तरह का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। बकौल संतोष गर्ग उनकी शादी 17 साल की उम्र में 23 अप्रैल 1978 को हरियाणा के कलायत गांव में हो गई थी। शादी से पहले वह सिर्फ 11वीं कक्षा पास की थी और बाकी उच्च शिक्षा शादी के बाद ग्रहण की। शादी के बाद कलायत गांव से वह अपने पति के साथ हिसार आकर रहने लगी, जहां उनके पति की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रोफेसर के रूप में नई नई नौकरी लगी थी, वहीं से वे अब प्रोफेसर एंड हैड पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। वह साल 2012 से अपने बच्चों के साथ मोहाली में रह रही हैं। हरेक क्षेत्र की तरह साहित्यिक सफर में उतार चढ़ाव सभी के सामने आते हैं। उनके सामने भी बच्चों के भविष्य को लेकर चुनौतियां थी और परिवार की जिम्मेदारियां थी। इसके बावजूद साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेती रही। हिंदी व पंजाबी के अलावा हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी हैं। अपने साहित्यिक सफर में अब तक हिंदी भाषा में निरन्तर कवि गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों का आयोजन भी कराती आ रही हैं। वह अखिल भारतीय साहित्य परिषद में हरियाणा प्रांत की उपाध्यक्ष, और राष्ट्रीय कवि संगम में 2016 से ट्राई सिटी चंडीगढ़ के अध्यक्ष पद पर लगातार सक्रिय हैं। वे एक फैशन डिजाइनर होने के साथ योगा व नेच्युरोपैथी चिकित्सक भी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

संतोष गर्ग की प्रकाशित 19 पुस्तकों में चार काव्य संग्रह-दिल मुट्ठी में, सूख गए नैनन के आँसू, शब्दों को विश्राम कहाँ और बाल काव्य संग्रह 'कागज की नाव', एक बाल उपन्यास नानी, निक्की और कुंभ' व काव्य संकलन ' दुनिया गोल मटोल' के अलावा 'हर मन तिरंगा, पिता होते हैं पर्वत से, कोरोना काल कवियों के झरोखे, लघुकथाएं अपनी-अपनी सोच, लघुकथा संग्रह 'लघुता कुछ कहती है' सुर्खियों में हैं। वहीं 'यात्रा गुरू के गाँव की', 'मानस मोती', 'पंचामृत', 'सहस्त्रमानक', 'संवाद' और सनातन-वार्ता पुस्तकें भी लिखी हैं।

संतोष गर्ग

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से आध्यात्म पुस्तक सनातन-वार्ता के लिए श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के अलावा संतोष गर्ग को महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, साहित्य सम्मेलन शताब्दी सम्मान, गुरु रविंद्र नाथ टैगोर सम्मान, लघुकथा स्वर्ण सम्मान, पावरफुल वूमेन आफ हरियाणा अवार्ड, वूमैन एम्पावरमैंट अवार्ड, कोरोना योद्धा सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं उन्हें दुबई में भारतीय प्रधान कौंसुलेट जनरल द्वारा भी सम्मान हासिल हुआ है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : संतोष गर्ग
जन्मतिथि : 12 नवंबर 1960
जन्म स्थान : बुढ़लाड़ा (पंजाब)
शिक्षा : बीए, योगा व नेच्युरोपैथी, फैशन डिजाइन
संप्रति : कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार, कहानीकार, मैनेजिंग डायरेक्टर(एन जी डायग्नोस्टिकस, पंचकूला)

ऐसे शुरु हुआ साहित्यिक सफर

वे बताती हैं कि हिसार में रहते हुए अमृता प्रीतम, शिव कुमार बटालवी और ओशो की पुस्तकें पढ़ा करती थी। कई बार अपने मन के भाव भी डायरी में उतार लेती। एक तरह से मेरी साहित्यिक यात्रा 1988 में आरंभ हुई, जब मेरी दो कविताएं एक समाचार पत्र में पहली बार प्रकाशित हुई। इससे आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। चूंकि पंजाब में शुद्ध पंजाबी बोली जाती है, जिसके कारण उनकी भाषा में कुछ पंजाबी के तो कुछ हिंदी के और कुछ शब्द हरियाणवी के भी आते हैं। रही बात हिंदी लिखने की, तो इसका श्रेय हिसार के साहित्यकारों को है। यह उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें सर्वोदय भवन में हिसार के राज्यकवि प्रोफेसर उदयभानु हंस, डॉ राधेश्याम शुक्ल, सतीश कौशिक, राजेंद्र प्रसाद जैन, मदन गोपाल शास्त्री, प्रदीप नील जैसे विद्वानों को सुनने का अवसर मिलता रहा। इस बात का अहसान उन्हें भी नहीं हुआ कि कब हिंदी उनकी प्रिय भाषा बन गई। साहित्य जगत में उनकी सभी प्रकाशित पुस्तकें हिंदी भाषा में ही हैं और बहुत से सांझा संकलनों में भी रचनाएं प्रकाशित हैं। साल 1995 में उनकी पहली कृति के रुप में काव्य संग्रह 'दिल मुट्ठी में' प्रकाशित हुआ। फिर उन्होंने लघु कथा संग्रह और अन्य विधाओं में पुस्तकें लिखना शुरु किया। उन्होंने बताया कि उनका काव्य संग्रह सूख गए नैनन के आँसू' और डायरी के पन्ने 'मनांजलि' हरियाणा साहित्य अकादमी सौजन्य से प्रकाशित हुआ। साहित्य के क्षेत्र में उन्होंने गद्य व पद्य दोनों विधाओं में ही रचनाएं लिखी हैं। कविताओं के अलावा लघु कथाए, कहानी, उपन्यास और बाल साहित्य भी लिखा है। उनके लेखन का फोकस ज्यादातर प्रेम, प्यार, विरहा, अध्यात्म, सेवा, संस्कारों पर रहा है। हालांकि समाजिक सरोकार के मुद्दों पर भी कलम चलाई है, लेकिन राजनीति पर बहुत कम लिखा है।

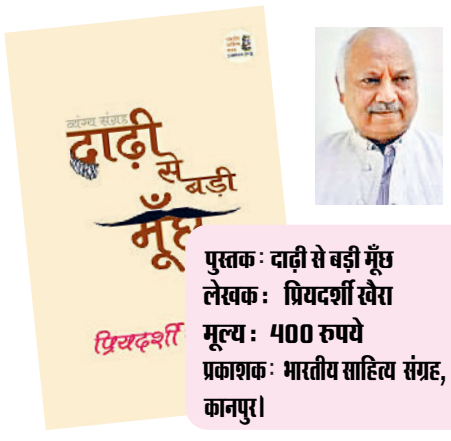

हास्य-व्यंग्य बोध से सराबोर 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ'

पुस्तक : दाढ़ी से बड़ी मूँछ
लेखक : प्रियदर्शी खैरा
मूल्य : 400 रुपये
प्रकाशक : भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर।

पुस्तक समीक्षा | प्रमोद ताम्बट

हाल ही में प्रियदर्शी खैरा का नया व्यंग्य संकलन 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ' भारतीय साहित्य संग्रह कानपुर से प्रकाशित हुआ है। दो दो स्वरनामधन्य व्यंग्याकारों प्रेम जनमेजय एवं पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी की पृथक-पृथक भूमिकाओं से सजे इस व्यंग्य संकलन ने एक तरीके से लेखन की दुनिया में एक अलग लकीर खींच कर रख दी है, यह कहने में कोई गुरेज़ नहीं किया जाना चाहिए। जहां प्रेम जनमेजय कहते हैं कि "उनकी रचनाओं में व्यंग्य लदकर नहीं आया है, सहज आया है", वहीं डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी कहते हैं "सहज होकर व्यंग्य भी लिखा जाए तो वह कितना अच्छा बन जाता है।' प्रियदर्शी खैरा का यह संकलन इन दोनों ही टिप्पणियों पर खरा उतरता है। श्री खैरा की व्यंग्य रचनाओं में वव्यंग्य भी उसी सहजता से आता है जितनी सहजता से हास्य। यह एक मणिकांचन संयोग की तरह होता है जो रचना की पठनीयता को निःसंदेह द्विगुणित कर देता है। इसे साध लेना वास्तव में बहुत कठिन होता है, यदि वह घुट्टी के साथ मिली हुई न पी रखी हो। श्री खैरा का बुंदेलखंड से लम्बा नाता रहा है इसलिए वहां का नैसर्गिक हास्य-व्यंग्य बोध उनकी रचनाओं में सहज प्रवाह की तरह चला आता है जिससे वे अपने रचनाकर्म को समृद्ध बनाते चलते हैं। पूरे संकलन की हरेक रचना में खैरा जी अपनी विशिष्ट खिलंदड़ी भाषा के माध्यम से अपने हास्य-व्यंग्य बोध का छिड़काव सा करते हुए चलते हैं। जिससे पहली ही रचना से संकलन के प्रति उत्सुकता का भाव पैदा होता है जो निश्चित ही पाठक को पूरा संकलन पढ़ा ले जाने के लिए मजबूर कर देता है। श्री खैरा लम्बे समय तक शासकीय विभाग में उच्चतम पद पर रहे हैं और उन्होंने इस दौरान व्यवस्था के छोटे से लेकर उच्च स्तर कर तक की इकाइयों को बहुत ही करीब से देखा है। किसी भी लेखक के पक्ष में यह महत्वपूर्ण बात होती है कि वह अपने जीवनानुभव को किस तरह से अपने रचना कर्म में लेकर आता है, श्री खैरा का रचनाकर्म इस मामले में काफी ईमानदार और प्रामाणिक प्रतीत होता है। व्यंग्य संकलन में कुछ 37 रचनाएं हैं। सभी रचनाएं लेखक के मृदुल हास्य एवं व्यंग्य बोध से सराबोर हैं जो मज़े-मज़े में गंभीर विसंगतियों का अहसास भी कराती चलती हैं। लेखक की रचनाएं व्यंग्य के मानदंडों पर भी खरी उतरती हैं, वे बहुत सहजता से व्यंजना, वक्रोक्ति, कटाक्ष, ह्यूमर, आयरनी, कामदी आदि व्यंग्य के हथियारों का उपयोग करते नज़र आते हैं। पुस्तक का कवर पेज अत्यंत साधारण है, इसे और ज्यादा कलात्मक बनाया जाता तो बेहतर होता।

खबर संक्षेप

दीवार तोड़कर बकरियां ले गए चोर, केस दर्ज

रेवाड़ी। साल्हावास गांव में चोर एक बकरी पालक के बाड़े की दीवार तोड़कर बकरियां चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में संतराम ने बताया कि उसने टीनशेड में बकरियां बांधने का बाड़ा बनाया हुआ है। रात को वह टीनशेड के गेट को ताला लगाने के बाद घर चला गया था। सुबह के समय वह टीनशेड में गया तो टीनशेड के पीछे की दीवार टूटी हुई थी। चोर उसकी बकरियों में 14 बकरी व 8 बकरी के बच्चे चोरी कर ले गए। पूछताछ करने के बाद भी चोरों का सुराग नहीं लगा। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

कार की टक्कर लगने से युवक घायल

नांगल मूंदी। कुमरोधा के निकट सड़क पर पैदल चल रहा एक युवक कार की टक्कर लगने से घायल हो गया। चौकी नं. 2 निवासी जतिन अपने दोस्तों से मिलने के लिए कुमरोधा की ओर पैदल जा रहा था। नांगलमूंदी रोड पर एक कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। सड़क पर गिरते ही वह बेहोश हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

रेवाड़ी। ट्रॉमा सेंटर के पास बाइक की टक्कर से एक स्कूटी सवार घायल हो गया। इंद्रा कॉलोनी निवासी वासुदेव अपनी स्कूटी से ससुराल गया था। वापस इंद्रा कॉलोनी जाते समय ट्रॉमा सेंटर के पास एक बाइक ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। बाइक चालक ने ही उसे उठाकर ट्रॉमा सेंटर दाखिल कराया। इसके बाद वह फरार हो गया। उसने बाइक के नंबर भी पुलिस को मुहैया कराए हैं। सिटी पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद बाइक चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

ठेके के कुक से मारपीट का केस दर्ज

कोसली। पुलिस ने शराब ठेके के कुक के साथ मारपीट करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में कुक नेपाल निवासी दिनेश बहादुर ने बताया कि वह एक शराब ठेकेदार के पास कुक का कार्य करता है। वह नठेड़ा ठेके पर खाना देने के लिए चालक राजकुमार के साथ गया था। वहां स्कूटी पर आए संदीप व विक्की ने स्कूटी आगे लगाकर गाड़ी रुकवा ली। उसके साथ जमकर मारपीट की।

मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर चोरी

रेवाड़ी। सेक्टर-1 के श्री श्याम मंदिर में चोर ताले व गेट तोड़कर दानपात्र से नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में श्री श्याम दिवाना मंडल टस्ट के सदस्य नवनीत सोनी ने बताया कि मंदिर के पुजारी ने फोन पर बताया कि मंदिर का गेट टूटा हुआ है। ताले भी तोड़े हुए हैं और दानपात्र उखड़े हुए हैं। उसने वहां जाकर देखा तो दानपात्र उखाड़कर एक दानपात्र से करीब 20 हजार रुपये चोरी किए हुए मिले। दूसरे दानपात्र का ताला नहीं खुला।

हाईवे पर लगा जमावड़ा, हादसा होने का बना अंदेशा

बेसहारा गोवंशों की समस्या बनी गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले भर में बेसहारा गोवंशों की बढ़ती संख्या गंभीर रूप धारण कर रही है।

शहर की सड़कों पर जहां इन बेसहारा गोवंशों की भरमार है, वहीं हाईवे पर भी इन बेसहारा गोवंशों ने डेरा जमा लिया है। जिसके कारण यहां हादसे होने का अंदेशा बढ़ गया है। कई दफा इन बेसहारा गोवंशों के कारण हादसे भी हो चुके है। दिन प्रतिदिन इन बेसहारा गोवंशों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इन गोवंशों के रखरखाव के लिए कोई प्लानिंग नहीं है। जिसके कारण लोगों में संबंधित इकाई और जिला प्रशासन के प्रति रोष भी बना हुआ है। बेसहारा गोवंशों की बढ़ती संख्या से आमजन को हो रही परेशानी के मुद्दे को स्थानीय विधायक गीता भुक्कल विधानसभा में भी उठा चुकी है, फिर भी समस्या का कोई समाधान नहीं हो पा रहा है।

झज्जर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने रोहतक-रेवाड़ी बाईपास पर सड़क के बीचों बीच खड़े गोवंशों के बीच से गुजरते हुए वाहन। फोटो :हरिभूमि

गली मोहल्लों में भी निकलना हुआ दूभर

इन बेसहारा गौवंशों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। शहर की कोई भी ऐसी गली नहीं बची है, जिसमें ये बेसहारा पशु ना घूम रहे हो। कई पशु तो इतने हिसंक है कि कई लोगों को चोटिल भी कर चुके है। बुजुर्गों और बच्चों को तो अकेले घर से बाहर निकलने में भी डर लगता है। स्थानीय निवासी जयभगवान, नरेश कुमार, सुनील जांगड़ा ने बताया कि बीते कुछ महीनों में इन बेसहारा गोवंशों की संख्या में बेहताशा वृद्धि हुई है। पहले इनका दायरा सीमित था और ये सिर्फ सब्जी मंडी में ही दिखाई देते थे। लेकिन अब तो शहर की प्रत्येक गली मोहल्लों में घूमते दिखाई देते है। वहीं खेतों में भी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है, हाईवे पर इनकी बढ़ती संख्या के कारण दुर्घटनाएं होने का डर सताने लगा है।

झज्जर। स्कॉलरशिप टेस्ट देते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

स्कॉलरशिप टेस्ट में 1150 छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रविवार को आयोजित तीसरे स्कॉलरशिप टेस्ट के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराते हुए आगामी कक्षाओं के लिए आवेदन किया। स्कूल प्राचार्य निधि कादियान ने बताया कि विभिन्न कक्षाओं के 1150 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर स्कॉलरशिप प्राप्त करने का काम किया। इस दौरान स्कूल संचालक जगपाल गलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया, स्कूल मैनेजर केएम डागर, एचऑडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, मुकेश शर्मा, डीपीई अमित लोहचब, संजीत सांगवान, जितेंद्र सहित अन्य भी मौजूद रहे।

टैंकर से तेल चोरी करते चालक सहित दो काबू, एक पिकअप गाड़ी भी पकड़ी

- पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी व तेल से आधे भरे हुए दो ड्रम व कई खाली ड्रम बरामद किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सदर थाना पुलिस ने गंगायचा टोल प्लाजा के पास टैंकर से तेल चोरी करने के आरोप में चालक को गिरफ्तार किया है। उसके अन्य साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी व तेल से आधे भरे हुए दो ड्रम व कई खाली ड्रम बरामद किए गए हैं। इनमें 2200 लीटर इथेनॉल व चोरी किया गया 80 लीटर पेट्रोल बरामद किया गया है। खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी व ईसी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि टोल प्लाजा के पास एक टैंकर से तेल निकालकर उसे पिकअप गाड़ी में रखे ड्रमों में डाला जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो टैंकर के दो चैंबर खुले हुए थे। उनमें से पाइप डालकर तेल निकाला जा रहा था। वहां मौजूद टैंकर चालक पंजाब के लाड बंजारा निवासी मंदीप व भवाड़ी निवासी विनय को पुलिस ने काबू कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ करने पर चालक ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज भवाड़ी से यह टैंकर रिलायंस इंडस्ट्रीज खेटला, जिला संगरूर, पंजाब के लिए चला था। पुलिस ने खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी सतप्रकाश को सूचना देकर मौके पर बुलाया। तेल व इथेनॉल के सैंपल लिए गए।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में तेल चोरी के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

दुकान पर काम करने वाले युवक के साथ की मारपीट

रेवाड़ी। कसोला चौक के निकट एक कमानी की दुकान पर काम करने वाले युवक के साथ चार युवकों ने जमकर मारपीट की। उसके बेहोश होने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। राजस्थान के मुबारिकपुर निवासी सुखवंत ने को दर्ज शिकायत में बताया कि वह कसोला चौक के पास बाबूलाल की दुकान पर काम करता है। 12 मार्च को वह दुकान बंद करने के बाद सोने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान बरवाड़ा निवासी गोलू, योगेश व दो अन्य युवक वहां आ गए। उन्होंने उसे शराब लाने के लिए अपनी बाइक देने को कहा।

शिविर में 55 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को क्षेत्र के गांव महराणा में निफा के संवेदना-2 कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गांव की नई चौपाल में रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से लगाए गए इस रक्तदान शिविर में 55 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में कर्मवीर महराणा व विशिष्टातिथि के रूप में दीपक गहलावत, रामानंद, मनोज, संजय, नरेंद्र अहलावत, नवीन यादव, राजेश दुजाना आदि ने शिरकत की। अतिथियों ने रक्तदान करने वाले युवाओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर ट्रस्ट प्रधान अमित महाराणा, रोहतास शर्मा, अमन, मास्टर सुमित, रिंकु मलिक, दीपक, रक्तदाता विरेंद्र, मनोज, नवीन, गुरुचरण, अमन, तरुण, दीक्षांत सहित अन्य भी मौजूद रहे। समिति सचिव रिंकू ने बताया कि उनकी ट्रस्ट जहां पिछले पांच वर्षों में पचास से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कर चुकी है वहीं सामाजिक कार्यक्रम, प्राचीन धरोहरों का रख-रखाव, जल संरक्षण तथा वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन भी करती रहती है।

झज्जर। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए अतिथि। फोटो :हरिभूमि

पीआर केंद्र में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

उपभोक्ताओं को किया उनके अधिकारों के प्रति जागरुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वारा विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय पीआर केंद्र में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अमरजीत सिंह ने की। उन्होंने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों बारे जागरुक करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम इस वर्ष की थीम स्थाई जीवन शैली के लिए एक उचित परिवर्तन को लेकर मनाया गया, जो उपभोक्ताओं को टिकाऊ और स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों को सभी के लिए सुलभ, उपलब्ध और किफायती बनाने के महत्व पर जोर देता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा बीपीएल घरेलू गैस उपभोक्ताओं को हर घर-हर ग्रहणी योजना के अंतर्गत पांच सौ रुपये में रिफिल गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। पात्र लाभार्थी विभागीय पोर्टल के माध्यम से स्वंय या अटल सेवा केन्द्र पर जाकर पंजीकरण करवा सकते हैं। इस अवसर पर खाद्य एवं पूर्ति विभाग के निरीक्षक अजय कुमार, रंजन यादव, उपनिरीक्षक महावीर, रितु कुमारी, अजय, रवि दलाल सहित सभी डिपोधारक, गैस एजेंसी संचालकों सहित आम उपभोक्ता भी मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारी एवं उपभोक्ता।

सीएनसी प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता में अभिषेक प्रथम

- विभिन्न तकनीकी एंव रचनात्मक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कबलाना में अचीवर 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान टेक्नो-कल्चरल में लैथ मशीन जॉब, सीएनसी प्रोग्रामिंग, स्लोगन राइटिंग, लेन गेमिंग, आइस क्रीम स्ट्रिप ट्रस मेकिंग व पोस्टर मेंकिंग आदि प्रतियोगिताएं कराई गई। प्रतियोगिता परिणामों में स्लोगन राइटिंग में बीटेक सीएसई द्वितिय समैस्टर की अनन्या यादव के स्लोगन एम्पावर थ्रू एजुकेशन-इंस्पायर थ्रू लर्निंग को प्रथम व सौरव को द्वितिय स्थान मिला। सीएनसी प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता में बीटेक मैकेनिकल के अभिषेक कुमार प्रथम व दीपांशु द्वितिय रहा। लैथ मशीन जॉब प्रतियोगिता में बीटेक मैकेनिकल के रवि कांत व मारूफ अशरफ को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। सर्किट मेकिंग प्रतियोगिता में बीटेक ईसीई के सनी कुमार व कुणाल की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। लेन गेमिंग में बीटेक सीएसई के नितिन, कृष, प्रशांत व नकुल की टीम प्रथम रही। आइस क्रीम स्ट्रिप ट्रस मेकिंग में बीटेक सीएसई के विक्रम व रवि को प्रथम, बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में एमबीए द्वितिय सेमेस्टर के विशाल कुमार ने पहला व बीटेक सीएसई के हिमांशु कुमार, सत्यम कुमार और अमित कुमार की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ट्रेजर हंट में बीटेक सीएसई के सुफियान जफर की टीम पहले स्थान पर रही कोड वॉर इनसी में बीटेक सीएसई के अक्षत मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

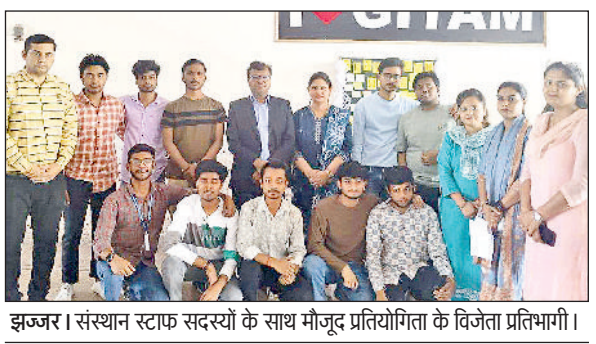

झज्जर। संस्थान स्टाफ सदस्यों के साथ मौजूद प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी

रेवाड़ी। विजय नगर में शनिवार की रात चोर एक बंद मकान के ताले तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी कर ले गए। मॉडल टाउन थान पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में राजस्थान के सिरयाणी निवासी राकेश यादव ने बताया कि वह विजय नगर में किराए के मकान में रह रहा है। गत 13 मार्च को होली पर्व पर वह परिवार के साथ मकान बंद करके अपने गांव चला गया था। रविवार को उसके पड़ोस में रहने वाले लोगों ने फोन पर सूचना दी कि उसके घर में चोरी हो गई है।

वह घर आया तो मकान के ताले टूटे हुए मिले। घर का सामान बिखरा हुआ था।

एसीपी ने किया नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक

- स्वयं भी नशा न करें और दूसरों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को कस्बा बेरी में एसीपी अनिल कुमार ने आमजन को नशे के दुष्प्रभाव, यातायात नियमों की पालना करने, साइबर अपराध, महिला विरुद्ध अपराध के प्रति जागरूक किया गया।

एसीपी अनिल कुमार ने कहा कि नशा करने से जहां हमारे शरीर को नुकसान होता है, वहीं समाज में हमारी छवि भी खराब होती है और हमें धन की हानि भी होती है। इसलिए स्वयं भी नशा न करें और दूसरों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अगर आपके आसपास क्षेत्र में कोई नशीला पदार्थ बेचता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें ताकि ऐसा कार्य करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा साइबर अपराध के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि साइबर अपराध से तभी बचा जा सकता है जब हम इसके प्रति जागरूक हो। उन्होंने बताया कि आज का युग टेक्निकल युग है।

किसी के भी पास कोई भी ओटीपी मैसेज लिंक किसी अनजान नंबर से आए तो उसे पर क्लिक न करें तथा ओटीपी किसी के साथ साझा ना करें तभी हम साइबर फ्रॉड से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का साइबर फ्रॉड होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। उन्होंने आमजन को यातायात नियमों की पालना करने के लिए भी जागरूक किया।

झज्जर। आमजन को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए एसीपी अनिल कुमार। फोटो :हरिभूमि

किसान व युवाओं को किया पौधरोपण के लिए जागरुक

झज्जर। शिविर में ट्रस्ट सदस्यों के साथ मौजूद किसान एवं युवा। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वन विभाग व जनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट महराणा द्वारा रविवार को किसान एवं युवा जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर संजय कबलाना, हितेश डागर व कर्मवीर महराणा ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में मंच संचालन रिंकू मलिक ने किया। वन विभाग के अधिकारी दीपक शर्मा ने मौजूदा जनसमूह को पेड़-पौधों बारे विस्तृत जानकारी दी। हितेश डागर ने लोगों को क्लोन सफेदों से होने वाले फायदे से अवगत कराते हुए पौधा गिरी योजना, प्राण वायु देवता योजना व क्लोन सफेदा के साथ-साथ होने वाली अन्य फसलों के बारे विस्तार से जानकारी दी। ग्राम सरपंच राम अवतार ने लोगों से पौधरोपण का आह्वान किया। मुख्यातिथि संजय कबलाना ने एक पेड़ बेटी के नाम मुहिम चलाने की शुरुआत की।

ट्रस्ट के प्रधान रोहतास शर्मा, अमित महराणा, कोषाध्यक्ष डॉक्टर अनिल, दीक्षांत, विकास, केतन, सौरभ शर्मा आदि ने अतिथियों को जहां गीता ग्रंथ व पौधा भेंट करके सम्मानित किया। इस मौके पर जनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट से संजीत नांदल, अजय, डॉक्टर अनिल मलिक, हरिओम शर्मा, मदन पंडित, हरीश जांगड़ा, दीक्षांत सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बाबा प्रसादगिरी मंदिर के वार्षिकोत्सव में पहली बार हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

कवियों की रचनाओं पर श्रोताओं ने लगाए जमकर ठहाके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर खेड़ा बाबा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में चल रहे 52वें वार्षिक संत सम्मेलन के दौरान महंत परमानंद गिरी महाराज की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। महाराज मृत्युंजयगिरी महाराज ने बताया कि वार्षिकोत्सव के दौरान पहली बार आयोजित इस कवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में शहर के बुद्धिजीवियों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने कार्यक्रम का आनंद उठाया। सम्मेलन के दौरान नेहा शर्मा नमन दिल्ली, अंशु छौकर अवनी आगरा, कवि देवेन्द्र देव झज्जर, वैभव दुबे झांसी, प्रेम नारायण बबलू नौगांव मध्यप्रदेश सहित आयुष यादव ने जब हास्य व्यंग्य पर आधारित कविताओं की प्रस्तुति दी तो श्रोताओं ने खूब ठहाके लगाये। मंच संचालन कवि देवेन्द्र देव द्वारा किया गया। मां सरस्वती की वंदना से शुरू हुए इस कवि सम्मेलन में कवियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर आलोक चैतन्य महाराज, आचार्य उपेंद्र कृष्ण, पंडित नरेन्द्र शास्त्री, प्रधान प्रमोद बंसल, चिमन लाल वर्मा, एडवोकेट पंकज शर्मा, नरेश सोनी, सचिन वर्मा, महेंद्र बंसल, सुरेंद्र बंसल, जुगती बत्रा, आनन्द सिंगला, अनमोल ग्रोवर, लवली शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। सम्मेलन के दौरान प्रदान किए गए स्मृति चिन्ह के साथ मौजूद कवि, कवि सम्मेलन में मौजूद श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

ओला बाइक चालक युवक हुआ लापता

रेवाड़ी। गुरूग्राम में ओला कंपनी की बाइक चलाने वाला एक युवक कई दिनों से लापता है। उसके पिता नांगलिया रणमोख निवासी सुरेंद्र ने बताया कि उसका 25 साल का लड़का देवेंद्र 18 फरवरी को गुरूग्राम गया था। वह ओला कंपनी की बाइक चलाता है।

सार्वजनिक सूचना

मैं ललिता दहिया (Lalita Dahiya) पुत्री जय किशन दहिया (Jai Kishan Dahiya) निवासी मकान नंबर-1037, सेक्टर-6, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरी नाबालिग पुत्री अमायरा (Amaira) के जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से ललिता राठी (Lalita Rathee) लिखा गया था। ललिता राठी (Lalita Rathee) और ललिता दहिया (Lalita Dahiya) एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही दो नाम हैं। मुझे भविष्य में मेरे सही नाम ललिता दहिया (Lalita Dahiya) के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

खबर संक्षेप

अधूरे आवेदन पत्रों को तुरंत पूरा कराएं अभ्यार्थी

झज्जर। लि कल्याण अधिकारी श्वेता शर्मा ने बताया कि डॉक्टर बीआर अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किए गए थे। लेकिन जांच उपरांत 903 आवेदन पत्र दस्तावेजों की अपूर्णता के कारण लंबित हैं। ऐसे विद्यार्थी जल्द दस्तावेज लगाकर जल्द से जल्द आवेदनों को पूरा कराएं ताकि उन्हें योजना का लाभ प्रदान किया जा सके।

महिलाओं ने की वृद्धाश्रम में सेवा

बहादुरगढ़। शक्ति महिला समिति ने कंझावला के त्रिवेणी देवी वृद्ध आश्रम में जाकर बुजुर्गों को चाय, नाश्ता, फल, मिठाई वितरित की। समिति संयोजिका दीप्ति मुंजाल, उषा एलाबादी, चारु दुआ, ज्योति दुआ, साहिबा मुंजाल, दीपा चुघ, ज्योति इलाहाबादी, मधु चौहान, शैली सेतिया व रिंपी गुप्ता आदि महिलाओं ने बुजुर्गों की सेवा की और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को बड़े-बुजुर्गों का मान सम्मान करना चाहिए।

दो भाइयों पर डंडे, रॉड व साइलेंसर से हमला

बहादुरगढ़। बादली चुंगी पर स्थित एक जिम के सामने दो भाइयों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। डंडे, साइलेंसर से प्रहार करने तथा गाड़ी से टक्कर मारने की बात सामने आई है। हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। घायलों के दादा की शिकायत पर सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में बलवीर सिंह ने कहा है कि रात करीब सवा दस बजे हमारे किरायेदार व उसके लड़कों ने अपने दर्जनभर साथियों संग मिलकर हमारे जिम के सामने मेरे पौते की बाइक रुकवा ली।

दिल्ली के आईजी खेल परिसर में सीनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में अच्छा प्रदर्शन कर बनाई जगह

जॉर्डन में दम दिखाएंगे पहलवान दीपक, दिनेश, सुमित और उमेश

सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के ट्रायल में झज्जर जिले के चार पहलवानों ने जगह बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दीपक पूनिया

दिनेश धनखड़ उर्फ गोलिया।

बहादुरगढ़। हिंद केसरी सोनू पहलवान के साथ सुमित व उमेश पहलवान

इस माह के अंत में जॉर्डन में होने वाली सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में झज्जर जिले के चार पहलवान दम दिखाएंगे। ट्रायल में जीत दर्ज कर यहां के दीपक पूनिया, दिनेश धनखड़, सुमित दलाल व उमेश पहलवान ने भारतीय दल में जगह बनाई है। चैंपियनशिप 25 से 30 मार्च तक जॉर्डन के अम्मान शहर में होगी।

दरअसल, डब्ल्यूएफआई का निलंबन हटने के बाद दिल्ली के आईजी खेल परिसर में सीनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए शनिवार को ट्रायल का आयोजन हुआ था। इस ट्रायल में झज्जर जिले के पहलवानों ने भी जोरदार प्रदर्शन किया। यहां के चार पहलवानों ने जीत दर्ज कर चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल में जगह बनाई है। पहलवान दिनेश धनखड़ उर्फ गोलिया झज्जर जिले के गांव गोयला कलां का रहने वाला है। गोधड़ी अखाड़े में अभ्यास करता है। सर्विसेज की ओर से खेलता है। पिछले कुछ समय से इसके प्रदर्शन में लगातार निखार आया है। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रहा है। पिछले दिनों ही राष्ट्रीय खेलों तथा बैंगलोर में हुई सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में मेडल जीता था। वहीं, देशी दंगलों में भी धाक जमा रहा है। अब एशियाई चैंपियनशिप में दम दिखाएगा। हेवीवेट कैटेगिरी 125 केजी फ्री स्टाइल में दिनेश से पदक की बेहद उम्मीदें हैं। अर्जुन अवॉर्डी पहलवान दीपक पूनिया भी जॉर्डन जाने वाली भारतीय दल का हिस्सा है। गांव छारा के निवासी दीपक की कुश्ती जगत में विशेष पहचान है।

एशियन गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप, कैडेट चैंपियनशिप व कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीत चुका है। जॉर्डन में वह 92 केजी फ्री स्टाइल में जोर आजमाइश करेगा। इससे पहले 86 केजी वर्ग में वह अपना दमखम साबित कर चुका है। काफी समय बाद बड़ी प्रतियोगिता में उतर रहे दीपक से भी देश को काफी उम्मीदें हैं। इनके अलावा एशियाई चैंपियनशिप के लिए चुनी गई टीम में हिंद केसरी सोनू अखाड़े के सुमित दलाल और उमेश ने भी जगह बनाई है। दोनों पहलवान अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र पहलवान की देखरेख में अभ्यास करते हैं। सुमित 60 केजी ग्रीको रोमन कैटेगिरी में धाक जमा रहा है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में चार मेडल जीत चुका है। वहीं उमेश 63 केजी ग्रीको रोमन का उभरता चेहरा है। पिछले दिनों ही नेशनल में इसने गोल्ड जीता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मेडल जीत चुका है। कोच धर्मेंद्र का कहना है कि दोनों बेहद होनहार हैं। उन्हें यकीन है कि सुमित, उमेश सहित तमाम भारतीय पहलवान जॉर्डन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश का मान बढ़ाएंगे।

रियल एस्टेट को नायब बजट से बड़ी उम्मीदें

बहादुरगढ़। रॉयल ग्रीन रियल्टी के प्रबंध निदेशक यशांक वासन के अनुसार हरियाणा का बजट रियल एस्टेट व्यवसाय को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। विशेष रूप से टियर-2 शहरों में प्रोत्साहन से रियल एस्टेट क्षेत्र आर्थिक विकास का इंजन बन रहा है। यशांक वासन ने बताया कि बहादुरगढ़, सोनीपत और अन्य शहरों में निवेश आकर्षित करने और शहरीकरण को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार को नीतियां बनानी चाहिए। विभिन्न आवास खंड, बुनियादी ढांचे के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। परियोजना में देरी और संबंधित खर्चों में कटौती करने के लिए सरलीकृत सिंगल-विंडो क्लीयरेंस प्रक्रिया आवश्यक है। इन लक्ष्यों को पूरा करके बजट टियर-2 शहरों को विकास के स्वतंत्र केंद्र बनने में सक्षम बना सकता है। रियल एस्टेट क्षेत्र में मजबूत संभावनाएं बनेंगी और लोगों को आधुनिक आवास बेहतर वातावरण में मिल पाएंगे।

बिजेंद्र प्रधान तो दीपक बने सचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रधान का अभिनंदन करते साथी पदाधिकारी व कर्मचारी

रोहतक रोड पर स्थित बीडीपीओ कार्यालय के पास स्थित पार्क में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की बैठक हुई। बैठक में कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं तथा मांगों पर मंथन किया।

कर्मचारी नेता देव कुमार रोहद के मुताबिक, बैठक में काफी कर्मचारियों ने भारतीय मजदूर संघ का दामन थाम लिया। साथ ही पदाधिकारी भी सर्वसम्मति से चुन लिए गए। संघ से संबंधित ग्रामीण सफाई कर्मचारी प्रदेश मंत्री अजीत सिंह, प्रेस सचिव विनोद, जिलाध्यक्ष शीशपाल व ब्लॉक प्रधान झज्जर की मौजूदगी में यह प्रक्रिया हुई। बहादुरगढ़ खंड के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने बिजेंद्र दहकोरा को अपना ब्लॉक प्रधान चुन लिया है। जबकि सचिव की जिम्मेदारी दीपक दुल्हेड़ा को दी है, वहीं अमित को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। बैठक की अध्यक्षता देव कुमार रोहद ने की। अशोक, अमित, बिजेंद्र, नरेश, दीपक, रणबीर, राजू, संदीप सहित काफी कर्मचारी इस बैठक में मौजूद थे।

सात्विक दिनचर्या और मोटापे से मुक्ति पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सेक्टर-2 में हुए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व ब्रह्माकुमारियां।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवा केंद्र पर 'स्वस्थ जीवन का आधार– सात्विक दैनिकचर्या' तथा 'मोटापा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर अपने विचार रखे। सेवा केंद्र संचालिका बीके विनीता दीदी ने सभी आगंतुकों, डॉक्टरों व विशिष्ट अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्राकृतिक चिकित्सा ही सबसे कारगर साबित होगी। स्वयं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रखने और दूसरों को भी प्रेरित करना सच्चा ईश्वरीय सहयोग है। सुखानंद फाउंडेशन के निदेशक डॉ. मदन मानव ने बताया कि आहार ही औषधि है और हम इसे सही प्रकार से अपनाएंगे तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। आरोग्य कुंज के निदेशक डॉ. अजीत आनंद ने कहा कि मिट्टी में सभी आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। नेचुरोपैथ विशेषज्ञ डॉ. प्रीति जोशी ने महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर चर्चा की और सात्विक भोजन व योग के महत्व को समझाया। बीके आचार्य लवकेश ने स्वर विज्ञान पर प्रकाश डालते हुए पाचन बेहतर करने के तरीके समझाए। दिल्ली से आई डॉ. विजयंती भारती, पतंजलि के जिलाध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह और योग शिक्षक अनिल वशिष्ठ ने भी महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की।

2.21 लाख के वैदिक ग्रंथ किए दान

बहादुरगढ़। वैदिक ग्रंथों के साथ ट्रस्ट के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

थैंक्स भारत ट्रस्ट ने /"आर्य ग्रंथ हो घर घर/" की मुहिम को सार्थक करते हुए 2 लाख 21 हजार रुपए के वेद, दर्शन, उपनिषद, रामायण, महाभारत आदि वैदिक ग्रंथ दान किए हैं। ट्रस्ट के संचालक राहुल आर्य ने बताया कि अविद्या को दूर करने के लिए हमें आत्मिक और अध्यात्मिक उन्नति के लिए आर्य ग्रंथों का अध्ययन व अवलोकन करना चाहिए। ट्रस्ट द्वारा आर्य गुरुकुल बरोणा (सोनीपत), कन्या गुरुकुल रुड़की (रोहतक), स्वामी आत्मानंद वैदिक गुरुकुल (राजस्थान), वेद विज्ञान मंदिर (जालौर राजस्थान), गुरुकुल महाविद्यालय व महिला गुरुकुल रुद्रपुर (यूपी), कन्या गुरुकुल (मेरठ यूपी) आदि अनेक संस्थाओं तथा ट्रस्ट से जुड़े लोगों को वैदिक ग्रंथों का दान किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए 44 कार्यकर्ताओं ने किया नामांकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। नामाकंन प्रक्रिया के दौरान पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में उपस्थित कार्यकर्ता।

हरियाणा में भाजपा संगठन की दृष्टि से 27 जिले बनाए हैं। जिनके जिला अध्यक्ष चुनने के लिए रविवार को चुनाव प्रक्रिया का क्रम दिनभर जारी रहा। जिलाध्यक्ष पद के लिए कुल 44 कार्यकर्ताओं द्वारा नामांकन पत्र भरे गए।

जिसमें मुख्यरूप से निर्वतमान जिला अध्यक्ष राजपाल जांगडा, जिला महामंत्री रामफल सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश गोयल, नीलम अहलावत, मनीष बंसल, सुनीता चौहान, दिनेश शेखावत, रत्न सागर, आंनद सागर, संत सुरहेती, अत्तर सिंह यादव, सोमवती जाखड़ आदि शामिल हैं। भाजपा जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र सिंह, जिला चुनाव प्रभारी एवं पूर्व मंत्री बिशम्बर वाल्मिकी, सह जिला चुनाव अधिकारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल, जिला अध्यक्ष राजपाल जांगडा, महामंत्री रामफल सैनी नामांकन प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहे। जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र ने बताया जिला संगठन के अध्यक्ष के लिए नोमिनेशन हुआ है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव से भाजपा के संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। चुनाव प्रभारी बिशम्बर वाल्मीकि ने कहा कि संगठन की ओर से चुनाव के लिए उठाया गया यह कदम बेहद कारगर साबित होगा।

भाजपा के शहरी मंडल की बैठक में हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा करते संजय सैनी व अन्य।

भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने रविवार को अपने कार्यालय पर सभी पदाधिकारियों की मीटिंग ली। बैठक में विकास और शहर की समस्याओं पर भी चर्चा हुई। जल्द ही सभी समस्याओं के बारे में शीर्ष नेतृत्व को अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने भाजपा की नीतियों के प्रचार-प्रसार के लिए रणनीतिक चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी बूथ समिति को प्राथमिकता दें। मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान पर कार्य करें। बूथ अध्यक्ष और शहरी मंडल की कार्यकारिणी को लेकर चर्चा करने के उपरांत संजय सैनी ने कहा कि भाजपा द्वारा कार्यकर्ताओं को पूरा मान सम्मान दिया जा रहा है। इसी के बूते पार्टी विश्व का सबसे बड़ा संगठन बन चुकी है। यहां बिना किसी भेदभाव के कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है।

नीरथॉन में बीआरजी के 90 धावकों ने किया शानदार प्रदर्शन

बहादुरगढ़। लगातार फिटनेस और सामाजिक संदेशों को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप ने जैक्वार ग्रुप आईपीए नीरथॉन में शानदार प्रदर्शन किया है। दिल्ली में रविवार को हुए इस भव्य आयोजन में 2700 से अधिक धावकों ने जल संरक्षण के लिए दौड़ लगाई। जल संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए भारतीय प्लंबिंग एसोसिएशन ने बेंगलुरु, चेन्नई और अहमदाबाद में सफल नीरथॉन के बाद दिल्ली में यह दौड़ आयोजित की। इसमें बीआरजी के 90 से अधिक धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार जीते। दीपक छिल्लर को /"एक्वा स्ट्राडर/" के रूप में आमंत्रित करते हुए सम्मानित किया गया। दस किलोमीटर रेस की ओपन कैटेगरी में प्रशांत चौधरी तीसरे, 50-60 आयु वर्ग में कर्नल कृष्ण सिंह बधवार दूसरे, रणबीर सांगवान तीसरे, 60-70 आयु वर्ग में सुनील सिकरी पहले और 40-50 आयु वर्ग में सत्यवान डागर दूसरे स्थान पर रहे। हीना फोगाट 18 प्लस महिला श्रेणी में दूसरे स्थान पर रही। पांच किलोमीटर में 14-18 आयुवर्ग में अंशिका जाखड़ तीसरे और 40-50 आयुवर्ग में किरण नरूला पहले स्थान पर रही। पुरुषों में 40-50 आयु वर्ग में नरेंद्र जांगड़ा पहले, 50-60 आयु वर्ग में धर्मवीर सैनी पहले, 50-60 आयु वर्ग में राजेश कुमार तीसरे, 60-70 आयु वर्ग में अशोक शर्मा दूसरे और 30-40 आयु वर्ग में संदीप राजोरिया दूसरे स्थान पर रहे। प्रवीन सांगवान, दीपक छिल्लर, अमनदीप, एंटनी, ब्रह्मप्रकाश मान, गौरव कुंतल, गौरव गर्ग, कौशल शर्मा, राकेश डबास, आरके मोर, राजेश रघुवंशी, रणबीर, रविंद्र दहिया, श्याम कुमार, त्रिलोक चंद, विजय वरुण, विजेंद्र सिंह, विकास हुड्डा, बलवान सिंह, चंदन, धर्मवीर, कृष्ण, कुणाल, रोहतास कुमार, संजू सैनी, राकेश कुमार, राजिंदर पाल सिंह, वीरेंद्र सिंह, दीपक, ललित, सेवाराम, सूरज, लोकेश, राजेश शर्मा, अबास, नवीन व अमृत कौर ने सफलतापूर्वक दौड़ पूरी की।

परनाला श्मशान घाट में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। गांव परनाला के श्मशान घाट में पौधे लगाते अशोक राठी व अन्य।

गांव परनाला के श्मशान घाट में रविवार को पौधारोपण किया गया। इस पौधारोपण में सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने भाग लिया और हमारे जीवन में पौधों के महत्व के बारे में ग्रामीणों को जागरुक किया। उन्होंने सभी से अपने-अपने पूर्वजों की याद में एक पौधा लगाने की अपील की। प्रधान अशोक राठी ने मैंबर कुलदीप, जोगी व राजेंद्र बाल्मीकि के साथ पौधे रोपते हुए कहा कि पौधे हमारे वातावरण को शुद्ध रखते हैं। हमारे जीवन के लिए सबसे जरूरी ऑक्सीजन भी पौधे ही देते है। बिना पेड़ पौधों के हमारे जीवन को कल्पना भी नही की जा सकती। इस पौधारोपण अभियान के तहत बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया। अशोक राठी के अनुसार पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों का होना जरूरी है। तभी वातावरण शुद्ध रह सकता है। शहर से लेकर गांवों में श्मशान घाट व सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण किया जा सकता है। वन विभाग को भी इनमें पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि आम जनता को भी इसमें सहयोग देना चाहिए। प्रधान अशोक राठी ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए। इससे हमें आक्सीजन भी मिलेगी और वातावरण भी शुद्ध रहेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

लगातार बढ़ रही वाहनों की चोरी

बहादुरगढ़। शहर में वाहनों की चोरी नहीं थम रही। आए दिन कहीं न कहीं वारदात हो रही है। अब तीन और वाहन मालिकों ने पुलिस को शिकायत दी है। शिकायतों के आधार पर संबंधित थानों की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शक्ति नगर के निवासी सौरभ का कहना है कि शनिवार की शाम को डिग्गी पर गया था। डिग्गी की दीवार के पास बाइक खड़ी कर दी। कुछ देर बाद देखा तो बाइक नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चला। इस शिकायत पर सिटी थाने में केस दर्ज हुआ है। खेड़का गुर्जर के निवासी योगेंद्र का कहना है कि शुक्रवार को गांव में दंगल था। वह दंगल देखने गया था। अपनी बाइक पार्किंग में खड़ी कर दी। जब बाहर आया तो बाइक नहीं मिली। कोई चुरा ले गया।

कार्यक्रम | विधायक राजेश जून ने भी ग्रामीणों के साथ बाबा किशन देव दुग्धाहारी को

लोहारहेड़ी में बाबा दुग्धाहारी मंदिर पर लगा मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। लोहारहेड़ी में आयोजित मेले में ग्रामीणों के बीच विधायक राजेश जून।

रविवार को गांव लोहारहेड़ी में श्री बाबा दुग्धाहारी मंदिर पर वार्षिक मेला व भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें आसपास के गांवों से भी लोगों ने शिरकत की। शनिवार शाम को सत्संग का आयोजन किया गया। जबकि रविवार को हवन उपरांत भंडारा लगाया गया। इसमें विधायक राजेश जून ने भी उपस्थिति दर्ज करवाई।

बता दें कि हर वर्ष चैत्र मास कृष्ण पक्ष की द्वितीया को महात्मा श्री किशनदेव दुग्धाहारी जी महाराज के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गांव लोहारहेड़ी में विशाल मेले व भंडारे का आयोजन किया जाता है। रविवार को भी बाबा किशन देव दुग्धाहारी महाराज के 152वें जन्मदिवस पर असंख्य ग्रामीणों ने पूजा अर्चना की। भंडारा कार्यक्रम में पहुंचे विधायक राजेश जून का मंदिर कमेटी के सदस्यों व ग्रामवासियों ने जोरदार स्वागत किया। पटका पहनाने के साथ ही स्मृति चिह्न के रूप में बाबा किशन देव दुग्धाहारी महाराज की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया गया। विधायक राजेश जून ने भंडारे में शिरकत करते हुए 11 हजार रुपए की धनराशि मंदिर में दान स्वरूप भेंट की। विधायक ने भंडारे में प्रसाद गृहण करने के उपरांत कहा कि इस मेले व भंडारे में दूर-दूर से आकर श्रद्धालु बाबा किशन देव महाराज की पूजा अर्चना करते हैं। बाबा दुग्धाहारी भक्तों की सभी मनोकामना को पूरी करते हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए ग्राम वासियों को बधाई भी दी।